- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक-योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।
- प्रश्न पत्र में कुल 9 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Q. No.	EXPECTED ANSWER / VALUE POINTS	Marks
	Set—3 **खण्ड—क** **(कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन)**	**20**
1.	किसी **एक** शीर्षक पर लगभग *150* शब्दों में रचनात्मक लेख : • भूमिका—1 अंक • विषयवस्तु—3 अंक • भाषा—1 अंक	(5×1) = 5
2.	**दो** में से किसी **एक** विषय पर पत्र लेखन (लगभग *120* शब्दों में) : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ—1 अंक • विषयवस्तु—3 अंक • भाषा —1 अंक	(5×1) = 5

collegedunia
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia
India's largest Student Review Platform

3.	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : – (शब्द-सीमा लगभग *50* शब्द) (i) (क) कहानी की रोचकता बनाए रखने के लिए पात्रों के मन-मस्तिष्क में वैचारिक स्तर पर दो विरोधी तत्वों का टकराव 'द्वंद्व' कहलाता है। • कहानी में द्वंद्व दो विरोधी तत्त्वों का टकराव या किसी की खोज में आने वाली बाधाओं, अंतर्द्वंद्व के कारण पैदा होता है। • द्वंद्व ही कथानक को आगे बढ़ाता है। • द्वंद्व के बिंदुओं की स्पष्टता ही कहानी की सफलता का आधार • द्वंद्व कहानी को रोचक बनाकर पाठक को अंत तक जोड़े रखता है। **उदाहरण:-** अगर दो आदमी किसी बात पर सहमत हैं तो उनके बीच में द्वंद्व नहीं है और बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी लेकिन असहमति है तो बातचीत सहजता से आगे बढ़ेगी। **अथवा** (ख) कहानी में संवाद ही कहानी के पात्र को स्थापित व विकसित करते हैं और कहानी को गति देते हैं। जो घटना या प्रतिक्रिया कहानीकार होती हुई नहीं दिखा सकता उसे संवादों के माध्यम से सामने लाता है। • संवाद पात्रों के स्वभाव, चरित्र और पूरी पृष्ठभूमि के अनुकूल होने चाहिए। • संवाद पात्रों के विश्वास, आदर्शों तथा स्थितियों के भी अनुकूल होने चाहिए। • संवाद छोटे, स्वाभाविक और उद्देश्य के प्रति सीधे लक्षित होने चाहिए। • संवादों के अनावश्यक विस्तार से बचना चाहिए। *(कोई एक अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* (ii)(क) • संचार का एकमात्र सशक्त माध्यम होने के कारण • धर्म-प्रचारकों द्वारा अपने सिद्धांत और विचार लोगों तक पहुँचाने के कारण • शिक्षा देने के लिए • मनोरंजन के लिए *(कोई दो अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* **अथवा** (ख) रंगमंच पर अभिनीत होने के गुण के कारण नाटक को 'दृश्य काव्य' की संज्ञा दिया जाना। • नाटककार को भूतकाल अथवा भविष्यकाल की रचना को एक विशेष समय में, एक विशेष स्थान पर, वर्तमान काल में ही घटित करना होता है। • पाठक, श्रोता या दर्शक भी वर्तमान काल में ही उपस्थित होता है।	(1+1+1)=3 (1+2)=3 (2×1)=2

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

4.	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर (शब्द-सीमा लगभग *50* शब्द) (i) (क) किसी घटना,समस्या या मुद्दे की गहरी छानबीन विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट 'विशेष रिपोर्ट' कहलाती है। विशेष रिपोर्ट की कोई एक निश्चित लेखन शैली नहीं है। आवश्यकतानुसार इसे 'उलटा पिरामिड शैली' या 'कथात्मक शैली' अथवा दोनों शैलियों को मिलाकर लिखा जा सकता है। सहज, सरल और आम बोलचाल की भाषा होनी चाहिए। **अथवा** (ख) • मनोरंजक होने के साथ-साथ सूचनात्मक होना। • विषय का प्रासंगिक व उद्देश्यपूर्ण होना। • प्रारंभ आकर्षक और जिज्ञासापूर्ण। • विषय का सजीव चित्रण। • भाषा सरल, रूपात्मक व आकर्षक होना। *(कोई तीन अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* (ii) (क) • प्रारंभ आकर्षक और जिज्ञासापूर्ण • सहज, सरल और आम बोलचाल की भाषा • भाषा में प्रवाहमयता • सुव्यवस्थित और विषयानुकूल भाषा *(कोई दो अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* **अथवा** (iii) (ख) • सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले होने के कारण • घटते क्रम में सूचनाओं एवं तथ्यों का प्रस्तुतीकरण • सूचनात्मक शैली होने के कारण • पाठक/दर्शक/श्रोता में उत्सुकता और जिज्ञासा उत्पन्न करने के कारण • विश्व स्तर पर समाचार लेखन की मानक शैली के रूप में स्वीकार होने के कारण *(कोई दो अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)*	(3×1)=3 (2×1)=2

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

	खण्ड—ख **(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)**	**20**
5.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग 50--60 शब्द) : (क) भाव-सौन्दर्य— • पूस मास में रानी नागमती की विरह-वेदना का चित्रण • उसकी सर्दी में नागमती के शरीर का थर-थर काँपना • रत्नसेन के विरह में ठंड की अधिक अनुभूति • चकवा-चकवी के दृष्टांत द्वारा कोकिला से स्वयं की तुलना करना • विरह में रात-दिन प्रिय के नाम की रट लगाना शिल्प-सौन्दर्य — • अवधी भाषा • वियोग शृंगार रस • अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति अलंकार • चौपाई छंद • गेयात्मक शैली आदि (ख) • नायिका (राधा) की विरहावस्था का मार्मिक अंकन • श्री कृष्ण के वियोग में नायिका का अत्यंत दुर्बल होना • दुर्बलता की पराकाष्ठा--धरती को पकड़कर बैठना, पुनः चेष्टा करने पर भी उठने में असमर्थता • दैन्यपूर्ण कातर दृष्टि से चारों दिशाओं में किसी सहायक को खोजना • नायिका की आँखों से आँसू की अविरल धारा बहना (ग) वृक्षों से पत्तियाँ और वनों से ढाँखें फागुन मास में गिरते हैं • प्रियतम से मिलन कीआस में नायिका का शरीर भी पीले पत्तों के समान पीला पड़ना • फागुन मास में वृक्षों पर नए पत्ते और फूल आना, नागमती की उदासी प्रफुल्लित वनस्पति को देखकर और बढ़ना • प्राकृतिक उपादानों का नायिका की विरहावस्था को और अधिक उद्दीप्त करना	$(3\times2) = 6$

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

**These answers are meant to be used by evaluators*

6.	किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) • शांत और उदार हृदय • क्षमाशील • विनम्र और सौम्य स्वभाव • अपराधी पर भी क्रोध ना करना • खेल में भी उदार • अपने से अधिक दूसरे को महत्त्व देना *(कोई दो अपेक्षित बिंदु स्वीकार्य)* *(ख)* • हवा के तेज झोंकों से ठंड में चौगुनी वृद्धि हो जाना • नागमती के लिए ठंड असहनीय हो जाना • सबको फाग खेलते देख विरहिणी का और अधिक विरह संतप्त होना • प्राकृतिक उपादानों का रानी नागमती की विरहावस्था को और अधिक उद्दीप्त कर देना • नागमती की मरकर भी प्रिय का सानिध्य और स्पर्श प्राप्त करने की असीम चाह	(2×1)=2
7.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *50-60* शब्द) : (क) • सत्ताधारी वर्ग का निरंकुश हो जाना • शोषण या सत्ताधारी वर्ग की निरंकुशता पर जनता का कोई अंकुश नहीं • राज्य की प्रगति और उसका विकास अवरुद्ध हो जाना • उत्पादन के साधनों पर केवल सत्ता वर्ग की मजबूत पकड़ • अराजकता और मनमानी का बोलबाला • आम जनता का शोषण और नारकीय जीवन (ख) • औद्योगीकरण से सिंगरौली का प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट होना • भारतीय परिवेश को समझे बिना यूरोपीय मॉडल लागू करना • उर्वरा और समृद्ध भूमि पर विद्युत ताप परियोजना से उत्पन्न प्राकृतिक और मानवीय संकट • प्रकृति,मनुष्य और संस्कृति का संतुलन विकास की आँधी की भेंट चढ़ना • उनके बच्चों का अपने पुरखों के गाँव से हमेशा के लिए दूर हो जाना (ग) • सद्यस्नात युवती के प्रति प्रथम आकर्षण से प्रेम के अंकुर का स्फुरण • संभव के शांत जीवन में हलचल मचना • अज्ञात यौवना को देखने के लिए मन बेचैन रहना, ना सो पाना, ना खा पाना और उसी के बारे में सोचना • 'हम कल आएँगे' ध्वनि बार-बार संभव के कानों में गूँजना और कल फिर मिलने की आस • उस छोटी-सी मुलाकात की निराली अनुभूति से भर जाना	(3×2)=6

**These answers are meant to be used by evaluators*

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform

8.	किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) • लोगों को अपने समाज, संस्कृति और परिवेश से अलग होने के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा • प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट होने से बचाव • विस्थापन की समस्या का समाधान • पर्यावरण असंतुलन से बचाव • औद्योगीकरण के दुष्परिणामों से बचाव • स्लम के नारकीय जीवन से मुक्ति (ख) • प्रभुत्वशाली लोगों द्वारा किसानों के विश्वास को जीतकर उनका शोषण करना • उनकी सारी मेहनत साझा खेती के नाम पर हड़प जाना • स्वयं मेहनत ना करके दूसरों की मेहनत का उपभोग करना	(2×1)=2
9.	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (शब्द-सीमा लगभग *30–40* शब्द) : (क) यदा-कदा प्रयोग किए जाने वाले घरेलू नुस्खे:- • खाँसी, जुकाम होने पर शहद और अदरक का रस • गले में खराश या खाँसी होने पर मुलेठी का प्रयोग • फोड़े फुंसी पर नीम के पत्तों का प्रयोग • जोड़ो में दर्द होने या चोट लगने पर हल्दी मिला दूध पीना (अन्य उचित स्वतंत्र अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य) (ख) • वर्षा का एकाएक ना आना • बादलों का घिरना और गड़गड़ाहट सुनाई देना • बारिश के विभिन्न रूपों में तबला, मृदंग, ढोलक, सितार तथा घोड़ों की टप-टप की संगीतमय ध्वनि का आभास होना • भीषण गर्मी से प्रकृति को निजात मिलना • प्रकृति और वातावरण मे निखर कर नई चमक आना • कण-कण में जान आना • नदी-नालों का पानी से सराबोर हो जाना (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य) (ग) • नदियों के महत्त्व और उनकी पवित्रता को ना समझना • आज की सभ्यता का महत्त्वाकांक्षी होना • नदियों के प्रति संवेदनहीनता का भाव • प्रकृति की रक्षा करने के दायित्व का अभाव • कल-कारखानों का कूड़ा-कचरा, शहरी अपशिष्ट पदार्थ नदियों में बहाकर नदियों के पानी को विषैला बनाना	(2×2) = 4

* * *

*These answers are meant to be used by evaluators

collegedunia.com
India's largest Student Review Platform